पाठ ६८

1. यिशुके क्रुसमे टांगेलाके पहिल आदमीसब यिशुके कथी करलन स ?
    - ओकुनीसब यिशुके मजाक उडाइल ।
    - ओकुनीसब वहांके पिटलन आ वहांके मुखमे थुकलन ।
    - ओकुनीस वहांके कांटाके मुकुट पहिनाइल ।
2. कांटा के मुकट केकराके प्रतीक रहेला ?
    - कांटा के मुकट परमेश्वरके सराप जनावेला ।
3. जब सिपाहियन सब यिशके शिरमे कांटाके मुकट पहनाइल त केकर चिन्न देलन ?
    - यहि कि यिशु परमेश्वरके सराप बोकले बानी ।
4. काहे तिन पहर तक देशमे अन्धर छ गइल न स ?
    - तीन घडीके अन्धेरा एगो चिन्ह बा ।

5. सारा देशभर फैलरहेला तीन घडीके अन्धेरा केकराके चिन्न रहे ?
    - पिता परमेश्वर यिशुके क्रूसमे वहांके प्राण खिंचत रनी ।
6. पिता परमेश्वर काहे यिशुके प्राण खिंचलन ?
    - पिता परमेश्वर यिशुके अपनेके हमर आ सब आदमीसबके पापके खातिर सजाय दिएअल रनी ।
    - यिशु तीन रात तीन दिन गाडलन स ।
    - तीन रात आ तीन दिन बितेलाके दोसर दिन भोर यिशुके उद्धारकर्ता परमेश्वर बा कहके विश्वास करेवाला मेहरारूसब ऊ कबरमे गइलन स ।

मर्कुस १६:१ पढलजाइ

जब सबाथके दिन बितगइल त मरियम मगद्लिनी अउर याकुबके महतरी मरियम अउर सलोमी खुस्बुदार चिज किन लिहली लु । कि जाके यिशु पर मले ।

1. यि मेहरारू यिशुके कबरमे काहे गइलन स ?
   - यी म]हरारू यिशुके लाशमे मसलासब लगावेके चाहनी ।
   - लाशके गाडदेलाके पहिले मसलासब लगावेलाके यहुदी परम्परा रहे ।
   - काहेकि यिशु हतारमे गाडल रहे त मेहरारूसब वहांके मृत शरिरमे मसलासब लगावेके समय ना पावललरनी ।
2. कबरमे आइलाके बाद मेहरारू सब कथी देखलन ?

मर्कुस १६:२-४ पढलजाइ

अउर इतबारके दिन एकदम भोरे जब सुरज निकलते रहे । के उ लोग करब पर अइली लु । अउर अपनेमे कहत रनी लु । हमनी खातिर कबरके मुह परसे पथल के हटाइ । जब उ लोग आंख उठउलीन त देखलिन कि पथथल निकल बा काहेकि ऊ ढेर बडा रहे ।

3. कबरके दुवार बन्द करेला बड्का पथ्थर कउन खुलत रनी ?
   - कबरके दुवारा खोलेलाके एगो परमेश्वरके स्वरगदूत भेजत रनी ।
4. जब ऊ मेहरारू कबरमे घुस त ऊ का देखलन ?

मर्कुस १६:५ पढलजाइ

अउर कबरके भितर जा के ऊलोग एगो जवानके सफेद कपडा पहिन ले दाहिन ओरि बइठलरहे दिखलन । अउर बहुत चकित भइले लु ।

- कबरमे घुसेलाके बाद ऊ महेरारू एगो स्वरगदूतके देखलन ।

5. स्वरगदूत ऊ मेहरारूके कथी कहलन ?

मर्कुस १६:६ पढलजाइ

ऊ व लोग से कहलन । चकित ना हो खवल । तुलोग यिशु नासिरीके जखर क्रुस पर चढावल जाव लगइल रहलन खोज ताड लु ऊ जी उठल बाडन । यिहा नइखे । देखलो इहे ऊ जगा ह जहां उनकर लाश रखल गइल।

6. इशुके बारेमे स्वरगदूत कथी कहलन ?
   - स्वरगदूत यिश वहां नइखे कहलन ।
7. यिशु वाहां काहे नइखे ?
   - काहेकि यिशु मरलमेसे जि उठल रहे ।
   - स्वरगदूत यिशुके कहले जइसने यिशु मरलरहेमेसे जीवित भइलके उठत रनी ।
   - स्वर्गदूत ऊ मेहरारूके जा के यिशके संगतिया लोगसे यिशु मरलमे से जि उठल कहके कहो कहलन ।

मर्कुस १६:७-८ पढलजाइ

बाकी तोहलन लोग जा अउर यिशुके चेला लोगसे अउर पत्रसे कहलु कि यिशु तोहन लोगसे पहिले गलिलके जाइहे । जइसे ऊ तोहन लोगसे कहले रहलन । तोहलन लोग वहवे उनकराके देखवाला लु । अउर ऊ लोग कबरसे निकलके भाग गइल लु । काहेकि कपकपि अउर घबराहट व लोग पर छा गइल रहे । अउर ऊ लोग केहुसे कुछो ना कहलन लु ।

- ऊ मेहरारू यतना डरागेल रनी कि ओकुनीसब पहिल त चेलासबके कुछो ना कहलन ।
- लेकिन बादमे मरियम मग्दलिनी नाम रहे मेहरारू चेलनसे ए बात कहके चलल ।

मर्कुस १६:९-१३ पढलजाइ

इतबारके भोर हो ते यिशु पहिले पहल मरियम मग्दलनि जेकरामे से ऊ सात गो भूत निकलले रहले देखा परल न स । ऊ लोग जा के उनकरा साथी लोगके जो शोकमे डुबल रहे लु अउर रोअत रहेलु समाचार देहली । अउर ऊ लोग यि सुनके कि यिशु जिन्दा बाडन अउर ऊ यिशुके देखली ह विश्वास ना कइल लु ।

एकरा बाद यिशु दोसरा रूपमे उनकरा लोगमे से दुगो केजब गावं के ओरि जात रहेलु देखाइदेहलन । ऊ लोग भि जाके दोसरा लोगके समाचार देहले । बांकी उह लोग विश्वास ना कइल ।

- यद्यपि मरियम मग्दलिनी आ दु आदमीसब यिशु मरेला मे से जि उठला बात कहेला त पर भि चेलालोग विश्वास ना कइलन ।
- वइसहे यिशु खुद चेलनसबकेहां देखा परलन ।

मर्कुस १६:१४ पढलजाइ

बादमे यिशु अउर ११ औं चला के भि जब उ लोग खान खाए बइठ रहलने त देखाइ देहलन । अउर व लोगके अविश्वास अउर मनके कठोर भइला पर डटले । काहेकि जउन लोग उनकराके जि उठलाके बाद देखले रहे यि लोग उनकराके विश्वास ना कइले ।

8. यिशु चेलनसबके काहे डंटलन ?
   - काहेकि चेलासब यिशु मरलरहेसे जि उठलन कहके विश्वास ना कइलन ।
   - ओकराके बाद यिशु चेलनसबके एगो आज्ञा देलन ।

मर्कुस १६:१५ पढलजाइ ।

अउर यिशु व लोगसे कहलन तोहन लोग सारी दुनियामे जाके सारा सृष्टीके लोगनमे प्रचार करलु ।

9. यिशु आपन चेलासबके दिएवाला आज्ञा कथी बाडे ?
   - सारा संसारमे जा के सारा सृष्टि के सुसमाचार प्रचार कर जा ।
10. सुसमाचार कथी ह ?
   - परमेश्वर के वचन ।

11. का यिशु यी आज्ञा केवल वहांके चेलनसबके निमित्त केवल दिएला ?
    - ना ।
    - यिशु यी आशा वहांके चेलासब आ वहांमे विश्वास करेवाला सबके दिएला ।
    - यिशु वहांमे विश्वास करेवाला सब आदमीके परमेश्वरके वचन दोसर आदमीके सिखाव कहके चाहेला ।
    - यिशु सब आदमीसब के प्रेम करेला आ वइसने ऊ सब आदमिसबके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेके चाही ।

        युहन्ना ३:१६ पढलजाइ

        काहेकि परमेश्वर दुनियासे इतना प्यार कइलन कि ऊ आपन एकलौटा बेटा के दे दहिलन । ताकि जे कहु उनकरापर विश्वास करे ऊ नास ना होवे पर हमेसाके जिन्नगी पावे ।

    - वइसने ही ह हम अपने लोक संगे आ के अभिन परमेश्वरके वचन कहल रनी ।
    - ताकि अपनेलोग ना मरल जाइ आ अनन्त आगके दहके सजायमे ना परी ।
12. यिशु के काहे मरेके परी ?
13. का यिशु पाप करत रनी ?
    - ना ।
14. त काहे यिशु के मरेके परी ?

- काहेकि सब आदमीसब पापक करत रनी आ हमनी परमश्वरके सामने हमर पापके ज्याला तिरेके परी।
- मृत्युके अलाबा दोसर कउनो उपाय पापके ज्यालदा ना दे सकेला ।
- बाकी परमेश्वरके प्रेमके कारणसे परमेश्वर हमनी मरेलाके ना चाहनी।

15. हमर पापसब मृत्युके सजायमे कइसन परेला बांकी भि हमनी अभि न कइसन जीवन बा ?
    - उद्धारक्ता परमेश्वर यिशु हमर जगा मरगेल ।
    - उद्धारकर्ता परमेश्वर यिशु मरगेल ताकि हमनीजीवित रह सकेला ।
    - यी बात चेला सब ना बुझ ना सकेला ।
    - चेला सब यिशु फेर मरेला आ फेर भि ओकुनीसबके उद्धार होवेला कहके ना समझ सकेला ।
    - चेलासब यिशुके मृत्यु सिर्फ ओकुनीसबके बचावेला कहके ना समझ सकेला ।
    - यिशुके क्रूसमे होवेला मरन हमर पापके मोल रहलन स ।
    - यिशु क्रसमे बहावेला खुन हमर पापके ज्याला रहलन स ।
16. परमेश्वर काहे हाबिलके बलिदान ग्रहण कइल लेकिन कयिन के ना कइल ?
    - काहेकि हाबिल भेडके खुन ल्याइल लेकिन कयिन ना ल्याइल लन स ।

17. परमेश्वर काहे मिश्री सब के पहिले जनमेला रहे सबके मारलन लेकिन इस्रेलीसके चाहिं बचावलन ?
    - काहेकि इस्रेलीस ओकुनीसबके घरके दुवारमे बलिदान चढाएवाला भेडके खुन छिडकेला ।
    - यिशु परमेश्वरके थुमा बाडे ।
    - पिता परमेश्वर यिशुके भेडके बच्चा जइसन बलिदान देलन ताकि हमनी बचासकेनी ।
    - यिशु आपन खुन हमनीके बचावेला आ दोसर हमर पापके ज्याला तिरेलाके बहावेला ।
    - जब यिशु क्रूसमे मरगेल वहां सब बात खतम होगेल कहलन ।
18. यिशु सब थोक खतम हो गेल कहलन के अर्थ कथी ह ?
19. का यिशु वहां के जीवन खतम भइल कहलन स ?
    - ना ।
20. वइसने यिशु क्रूसके सब थोक खतम भइल कहेलाके मतबल कथी ह त ?
    - यिशु कहलन के मतलब यहि रहे कि परमेश्वर हमीके बचावेला वहां के दिएवाला जिम्मेदारी खतमे भइलरहेला ।
21. पिता परमेश्वर दएवाला जिमेमेदारी यिशु काहे खतम कललन स ?
    - काहेकि यिशुके मृत्यु सब आदमीसबके पापके दण्ड पूर्ण रूपसे चुका दिअलन स ।

- काहेकि यिशुके खुन सब आदमीसबके पापके दण्ड पूर्ण रुपसे चुकावलन स ।

22. यिशु सबे आदमीसबके बचावेला के काम खतम कर जा कहके हमनी कइसन जान सकेला ?
    - काहेकि यिशु बलिदान सब आदमीसबके निमित्त सिद्ध बलिदान बाडे ।
    - काहेकि यिशुके खन सब आदमीसबके निमित्त सिद्ध बलिदान बाडे ।

23. यिशु सब आदमिसबके बचावेला काम खतम कर जा कहके हमनी अउर कइसन जान सकेला ?
    - काहेकि पिता परमेश्वर यिशुके मरेवाला मे से जि उठाइल ।
    - यदि यिशु सब आदमीसबके बचावेला के काम खतम ना कर तड जा त परमेश्वर यिशुके मरेवाला मे से ना जि उठावेला रहे ।
    - यदि परमेश्वर यिशुके सिद्ध बलिदानके रूपमे ना चढाउले रनी त वहां यिशुके मरेवाला मे से फेर ना जि उठावले रनी ।
    - इहा एगो उदारहण बा ।
    - यदि कउनो केकराके गाई चोरी कर जा त ओकराके एगो साल कइदमे रहेके परी ।
    - जब कइद भुक्तान होवेला त ऊ जेलसे छुटैला ।

24. यदि पुलिस सब ऊ आदमीके जेलके बाहदर ओरि दिखेला त का ऊ कइदीके फेर कइदमे राखेला ?
    - ना ।
25. काहे ?
    - काहेकि ऊ आदमी एक साल तक कइद काटके आइल आ गाइ चोरके मोल ऊ पूरा भुगतेला जा ।
    - काहेकि यिशु सब आदमीके पापके मोल पूरा भक्तान करतड जा आ वइसने परमेश्वर यिशुके मरेला मे से जि उठाइल ।
26. जब यिशु मरगेल त काहे परमेश्वर मन्दिरके पर्दा दु भाग करके फाडदेलन ?
    - परमेश्वर मन्दिरके पर्दा दु भाग करके फाडदेलन काहेकि अब से परमेश्वर आ आदमीके बीच कउनो दरान नइखे ।
27. अब परमेशेवर आ आदमीके बीचमे काहे कउनो दरार नइखे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर से अलग पारेवाला आदमीयनके सब पाप के ज्याला सब चुकादेलन स ।
    - चेलनलगके परमेश्वरके वचन सरा सृष्टिके प्रचार करो कहके आज्ञा दिएलाके बाद यिशु स्वरगमे उचालके लिलेहलन स ।

प्रेरित १:९ पढलजाइ ।

यि कहके यिशु व लोगके देखते देखते उपर उठा लेहलन गइलन । अउर बादर उनकराके व लोगके आंखसे छिपा दहलन ।

- परमेश्वर नवीद्वारा बहुत वरष पहिले कहलेजइसने यिशु स्वरगमे उचालके लिहेलन स ।

प्रेरित १:१० पढलजाइ ।

अउर उनकराके जाते समय जब ऊ लोग आसमानके वरि ताकत रहेलु दुगो आदमी भुजर कपडा पहिनले व लोगके आगे आके खडा भइले

28. चेलालोग आगे उभल रहे सफद वस्त्र धारण करवाला दुगो जन कउन रहे ?
    - ऊ लोग परमेश्वरके दुगो स्वरगदूत रहे ।
29. यिशुके चेलासब ऊ स्वरगदूतके कथी कहलन ?

प्रेरित १:११ पढलजाइ

अउर कहे लगले । हे गलिली आदमी तोहन लोग काहे खडा हो के आसमानके वरी देख तड जा । यिहे यिशु जउन तोहन लोगके लगे से उठाके स्वरग पर लहल गइलन । जइसे तोहन लोग उनकराके स्वगरसे जात देखलह वइसही ऊ फिर अइह ।

- स्वरगदूत यिशुके पृथ्वमे फेर वापिस आएवाला रहे कहलन ।

30. जब यिशु फेर फर्थ्वीमे वापिस आउला त वहां कथी करेवाला रहे ?
31. का अब यिशु हमनीके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे छूटकारा दिएलाके निमित्त आएवाला रहे ?

- ना ।

32. काहे ?

- काहेकि यिशु हमनीके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे छुटकारा दिएवाला काम पहिलसे ही तुरल रहलन स ।

33. यिशुके महायाजक ने तु महिस बाडे कहके पुछलाके बाद यिशु दिएवाला जवाफ का अपनके अभिन याद बा ?

मर्कुस १४:६१-६२ पढलजाइ ।

तब महायाजक बीचमे खडा हो के यिशुसे पुछलन । तु कउन जवाफ नइखे दे यी लोग तोहरा विरोधमे का गवाही देता । बाकी यिशु चुपकी सधले रहेले अउर कुछो जवाफ ना देहलन । महायाजक उनकरासे फिर पुछलन । का तु व परमधनके बेटा मसिह होवे ऽ यिशु कहलन । हाँ हम है अउर तु हमराके परमेश्वरके दाहिनेओरि बइठल अउर आसमानमे बादरके साथे आवत दखव ।

- जब यिशु यस धरतिमे फेर आइल त यिशु ऊ बखत उद्धारकर्ता के रुपमे ना लेकिन न्यायकर्ता के रूपमे आएवाला रहे ।
- जब यिशु यस धरतिमे फेर आइल त वहांके उद्धारकर्ता कहके विश्वास करेवाला सबके न्यायकर्ताके रूपमे आवेला ।
- जब यिशु यिस धर्तिमे फेर आइला त वहां परमेश्वरमे विश्वास ना करेला सबके अनन्त आगके दहमे फेकदेला ।